Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.shisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2023 SHISRRJ | Volume 6 | Issue 6
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन

डॉ. राकेश प्रताप सिंह
निर्देशक,विभागाध्यक्ष–बी.एड.
स.ब.पी.जी. कॉलेज, बदलापुर
जौनपुर,उत्तर प्रदेश।

भूपेन्द्र सिंह निरंजन
शोधकर्ता, एम.एड.,नेट (शिक्षा शास्त्र)
शिक्षक शिक्षा विभाग, स.ब.पी.जी.
कॉलेज,बदलापुर,जौनपुर,उत्तर प्रदेश।

Article Info

Publication Issue :
November-December-2023
Volume 6, Issue 6

Page Number : 06-13

Article History
Received : 01 Nov 2023
Published : 05 Nov 2023

सारांश– प्रस्तुत समस्या कथन के अन्तर्गत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध समस्या में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण अध्ययन का प्रयोग किया है। प्रस्तुत अध्ययन के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा शोध समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्शो के चयन के लिये यादृच्छिक न्यादर्शन प्रणाली को अपनाया गया। जिसमें अध्ययन समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में से यादृच्छिक न्यादर्शन प्रविधि के माध्यम से चयनित पॉच उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया है जिसमें कुल 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया हैं। अध्ययनकर्ता ने अपने शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु क्रान्तिक अनुपात परीक्षण एवं सहसम्बन्ध गुणांक आघूर्ण सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।

की–वर्ड– माध्यमिक स्तर, छात्र–छात्राएँ, शैक्षिक उपलब्धि, संवेगात्मक बुद्धि, क्रान्तिक अनुपात, सहसम्बन्ध गुणांक।

प्रस्तावना– व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है जो कि अपने वातावरण के प्रति जिज्ञासु होता है। यह जिज्ञासा उसे चारों ओर के वातावरण के साथ अंतःक्रिया करने के लिये प्रेरित करती है। यह अंतःक्रिया समाज के निर्माण एवं सामाजिक तथा सांस्कृतिक विचारों का विकास करने के लिये उत्तरदायी होती है। इस समाज में रहने के लिये व्यक्ति को अपने व्यवहार में कई प्रकार के बंधनों का अवलोकन करना पड़ता है। सामान्यतः

Copyright © 2023 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)** which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium for non-commercial use provided the original author and source are credited.

किसी भी व्यक्ति का व्यवहार उसकी अनुवांशिकता तथा वातावरण, जिसमें वह निवास करता है उससे प्रभावित होता है। शिक्षा एवं मनोविज्ञान के इतिहास में वातावरण एवं अनुवांशिकता का प्रभाव वाद–विवाद में अधिकतर असमंजस का प्रश्न रहा है। वर्तमान में मानव व्यवहार में वातावरण की भूमिका स्वीकार की गई है। कई व्यवहारिक विशेषताएँ मिलकर व्यक्तित्व का निर्माण करती है क्योंकि व्यवहार वातावरण से प्रभावित होता है जो व्यक्तित्व में परिलक्षित होता है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था, व्यक्ति के व्यक्तित्व पर प्रभाव डालती है। यदि किसी शिक्षा व्यवस्था में निरंकुश प्रकार का वातावरण होता है तो वह व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करता है तथा छात्र भी प्रकृति में निरंकुश बनता है। प्रजातंत्रीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा की व्यवस्था भिन्न प्रकार की होती है। इसमें छात्र का व्यवहार प्रजातंत्रीय प्रकार का होता है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि विद्यालय का वातावरण किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मानव के बुद्धि एवं विकास के कई महत्वपूर्ण चरण होते है – जैसे, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, पौढ़ावस्था और वृद्धावस्था आदि। मानव का स्वभाव सामाजिक है अर्थात वह समाज के सम्पर्क से अपनी क्रियायें शुरू करता है और किशोरावस्था तक भी वह पूर्ण सामाजिक सदस्य होने के लिये प्रयासरत रहता है। इस अवस्था में उसे समाज की आवश्यकता एवं समाज को उसकी आवश्यकता अधिक हो जाती है। किशोरावस्था एक ऐसी अवस्था है जिसमें शारीरिक, मानसिक एवं सांवेगिक परिवर्तन बहुत तेजी से होते है। इस अवस्था के सम्बन्ध में स्टेनले हॉल ने कहा है कि किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था है। इस समय विद्यार्थियों में तनाव, भग्नाशा, चिड़चिड़ापन आदि कई संवेग उन्हे समाज, विद्यालय और मित्रों के साथ समायोजन में कठिनाईयां पैदा करते है। विद्यार्थियों में एकान्त प्रवृत्ति या आवारा घूमना आदि समस्यायें बढ़ जाती है। इन सब बातों का प्रभाव उसके शैक्षिक जीवन या विद्यालयीन वातावरण पर पड़ने लगता है और वह कक्षा में पिछड़ने लगता है। जिसके परिणामस्वरूप उसके सुंदर भविष्य की आशा धूमिल होने लगती है और माता–पिता के संजाये सपनों का सूर्य उदित होने से पूर्व ही अस्त होने लगता है। इन प्रवृत्तियों से उन सब की आशा नहीं की जा सकती है, जो कोठारी कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के भाग्य का निर्माण इस समय उसकी कक्षाओं में हो रहा है। हमारा विश्वास है कि यह कोई चमत्कारोक्ति नहीं है। विज्ञान और शिक्षण विज्ञान पर आधारित इस दुनिया में शिक्षा ही लोगों की खुशहाली, कल्याण और सुरक्षा का स्तर निर्धारण करती है। हमारे स्कूलों और कॉलेजों से निकलने वाले विद्यार्थियों की योग्यता और संख्या पर ही राष्ट्रीय विकास की गति तेज करनी है तो शिक्षा सम्बन्धी एक सुलझी हुई और दृढ़ तथा कल्पनापूर्ण नीति तथा शिक्षा में प्राण डालने, उसमें सुधार करने तथा विस्तार करने के लिये प्राणमय कार्यवाही करने की अति आवश्यकता है, परन्तु आज का विद्यार्थी पढ़ने के बहाने अन्य गतिविधियों जैसे इन्टरनेट सर्फिंग में व्यस्त, चेटिंग, डिस्को, बार अथवा टी.वी. के कार्यक्रमों में व्यस्त रहता है। इस कारण देश की नींव खोखली होती नजर आ रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि पिछले कई सालों से बोर्ड परीक्षा परिणाम में कमी आ रही है। इन सब प्रवृत्तियों का विद्यार्थी के शैक्षिक जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इस समय के विद्यार्थी को अगर घर का मुख्य सदस्य डांट या फटकार दे तो वे आक्रामक होकर, उपद्रव या विद्रोह पर उतारू हो जाते है। इस अवस्था में विद्यार्थी अधिक संवेदनशील हो जाता है और वे कई बातों को अधिक गहराई से लेता है, और कई बातों पर बिना सोचे समझे ही प्रतिक्रिया व्यक्त कर देता है।

पश्चिमी देशों में विद्यार्थी के प्रत्येक पहलू पर गहरी नजर से अवलोकन कर उसकी सांवेगिकता एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले प्रत्येक तथ्य को देखा जाता है, लेकिन भारत में ऐसी व्यवस्था की

अभी कमी है। सुविधा सम्पन्न परिवार के विद्यार्थियों को तो हर प्रकार की सुविधायें मिलती है जिससे उसकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर तो उच्च होता है, लेकिन सुविधाहीन परिवारों के विद्यार्थी सुविधा के अभाव में भी अपनी प्रेरणा से ही शिक्षा प्राप्त करने को अग्रसर रहते है। माता–पिता की शैक्षिक स्थिति, उनका दृष्टिकोण, बालक की आयु एवं परिपक्वता आदि उसके शैक्षिक उपलब्धि एवं सांवेगिकता को प्रभावित करती है, इसलिये यह आवश्यक है कि शैक्षिक निष्पत्तियों को प्राप्त करने के लिये बालक के संवेगात्मक विकास का अध्ययन किया जाये। सम्बन्धित अध्ययन की आवश्यकता भी इसलिये महसूस की गयी ताकि पता लगाया जा सके कि संवेगात्मक विकास, विद्यार्थी की शैक्षिक निष्पत्तियों को किस प्रकार प्रभावित करता है। इस प्रकार विद्यालय निष्पत्ति के स्तर में उत्तरोत्तर विकास करने हेतु संवेगात्मक विकास का महत्वपूर्ण योगदान है ताकि विद्यार्थी अपने सभी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास कर अपनी परिस्थितियों से समायोजित होकर आगे बढ़ सके। आधुनिक समय में विद्यार्थियों में समायोजन की कमी का कारण संवेगात्मक विकास का नहीं होना है यह समस्या आम हो गयी है। इसी समस्या को महसूस कर शोधार्थी द्वारा इस समस्या को अपने अध्ययन का विषय बनाया गया है।

समस्या कथन– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि ज्ञात करना।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धों का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ– अध्ययन में निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि– प्रस्तुत शोध समस्या में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण अध्ययन का प्रयोग किया है।

शोध समष्टि या जनसंख्या– प्रस्तुत अध्ययन के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा शोध समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्शो के चयन के लिये यादृच्छिक न्यादर्शन प्रणाली को अपनाया गया। जिसमें अध्ययन समष्टि के अन्तर्गत जिला जौनपुर में संचालित समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में से यादृच्छिक न्यादर्शन प्रविधि के माध्यम से चयनित पॉच उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया है। जिनका उल्लेख तालिका क्रमांक 01 में किया गया है।

तालिका क्रमांक 01

शोध न्यादर्श के अन्तर्गत चयनित माध्यमिक विद्यालय श

क्रं	विद्यालय का नाम	चयनित विद्यार्थी संख्या
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60

3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60
कुल चयनित चयनित विद्यार्थी संख्या		300

प्रयुक्त उपकरण– अध्ययनकर्ता द्वारा अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए उनकी पिछली कक्षा की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांकों के प्रतिशत को सम्मिलित किया गया है।

सांख्यिकीय विधि– अध्ययनकर्ता ने अपने शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु क्रान्तिक अनुपात परीक्षण एवं सहसम्बन्ध गुणांक आघूर्ण सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

सारणी संख्या – 1

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र	विवरण	N	M	S.D.	SEM	f Value	p Value	p<.05
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	14.0333	2.5309	0.1093	2.57456	0.037869	सार्थक
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	14.0833	4.4428				
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60	13.95	2.6				
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	13.5667	2.6513				
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	14.213	3.471				

टीप – शैक्षिक उपलब्धि, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उनके परीक्षा से प्राप्त प्राप्तांकों को ही शैक्षिक उपलब्धि माना गया है।

सारणी संख्या – 1 से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण में पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.0333, एवं मानक विचलन 2.5309 पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान

14.0833 तथा मानक विचलन 4.4428, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.95 तथा मानक विचलन 2.6, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.5667 तथा मानक विचलन 2.6513 तथा आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.213, एवं मानक विचलन 3.471 पाया गया। इस प्रकार पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान उच्चतम पायी गयी जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान न्यूनतम पाया गया तथा राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पाया गया जबकि सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया।

सारणी संख्या – 2

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र	विवरण	N	M	S.D.	SEM	f Value	p Value	p<.05
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	12.55	3.2229	0.7209	10.8600	0.00001	सार्थक
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	10.7167	4.3182				
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60	13.3167	3.0225				
4.	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	9.2167	3.3451				
5.	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	10.9833	4.7353				

विश्लेषण कमांक 2 में जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 12.55 तथा मानक विचलन 3.2229 पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 10.7167 तथा मानक विचलन 4.3182, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.3167 तथा मानक विचलन 3.0225, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि

के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 9.2167 तथा मानक विचलन 3.3451 तथा आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 10.9833 एवं मानक विचलन 4.7353 पाया गया। इस प्रकार पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान उच्चतम पाया गया, जबकि सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान न्यूनतम पाया गया। इसी प्रकार आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पाया गया जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया।

सारणी संख्या – 3

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धों के अध्ययन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र	विवरण	N	M1 संवेगात्मक बुद्धि	M2 शैक्षिक उपलब्धि	Σ_1	Σ_2	Combined Mean	SEM
1	सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	12.55	14.0333	3.2229	2.5309	13.2916	0.7417
2	राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	10.7167	14.0833	4.3182	4.4428	12.4	1.683
3	नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज	60	13.3167	13.95	3.0225	2.6	13.6334	0.3167
4	सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	9.2167	13.5667	3.3451	2.6513	11.3917	2.175
5	आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल	60	10.9833	14.213	4.7353	3.471	12.5982	1.615

विश्लेषण क्रमांक – 5 में जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 12.55 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.0333

पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 13.2916 पाया गया, जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 10. 7167 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.0833 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 12.4 पाया गया, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.3167 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.6334 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 14.1416 पाया गया, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 9.2167 तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 13.5667 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 11.3917 पाया गया तथा आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 10.9833 एवं शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों का मध्यमान 14.213 पाया गया, जिनका संयुक्त माध्य 12. 5982 पाया गया।

इसी प्रकार पाया गया कि जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों के विश्लेषण में माध्य मानक त्रुटि 0.7417 पायी गयी जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.683, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3167, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 2.175 एवं आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.615 पायी गयी।

निष्कर्ष– अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

1. जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान उच्चतम पाया गया जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान न्यूनतम पाया गया तथा राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पायी गयी जबकि सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया अतएव परिकल्पना क्रमांक 1 — माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।
2. जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनतर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों के सांख्यिकीय विश्लेषण के अन्तर्गत, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज

में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान उच्चतम पाया गया, जबकि सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान न्यूनतम पाया गया। इसी प्रकार आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों का मानक विचलन उच्चतम पाया गया जबकि नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्तांकों का मानक विचलन न्यूनतम पाया गया, अतएव परिकल्पना क्रमांक 2 — माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।

3. जिला जौनपुर में संचालित चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों के विश्लेषण में माध्य मानक त्रुटि 0.7417 पायी गयी जबकि राधिका बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.683, नेहरू बालोद्यान इण्टर कालेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 0.3167, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 2.175 एवं आर. एन. टैगोर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के प्राप्तांकों में माध्य मानक त्रुटि 1.615 पायी गयी अतएव परिकल्पना क्रमांक 3—माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का उनकी संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है, को अस्वीकृत किया जाता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.अब्राहम, आर, "इमोशनल इन्टेलीजेन्स इन आर्गेनाइजेशन : ए कान्सेप्टैनलाइजेशन। जेनेटिक सोशल एण्ड जर्नल साइकोलॉजी", मोनोग्राफ्स 125 (2), 209—225।

2.भारत सरकार नई दिल्ली, " प्रोग्राम ऑफ एक्सन नेशनल पॉलिसी आन एजूकेशन, नई दिल्लीः मानव संसाधन विकास मंत्रालय", 1986

3.विवेक कुमार सिंह, "लघु शोध प्रबंध,", आर. आर. पी. जी. कालेज, अमेठी, 2002.

4.वर्मा, जी. एस, "भारत में शैक्षिक प्रणाली का विकास", इण्टरनेशनल पब्लिसिंग हाउस, मेरठ, 2005.

5.वीडेकर, बी. एच., "हाऊ टू राइट एसाइन", मेंट, रिसर्च पेपर, डिजर्टेसन एण्ड थीसिस, न्यू देहली, कनक पब्लिकेशन, 1999.

6.श्रीवास्तव, डी.एन,, "सांख्यिकी एवं मापन,", विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 2000.

7.शुक्ला. आर. पी, "जी.एस.डी. — शिक्षा के सिद्धांत", अग्रवाल पब्लिकेशन्स, दयाल बाग, आगरा 19 वाँ संस्करण, 2016.